भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3947

17 मार्च, 2026 को उत्तरार्थ

विषय- एग्रीश्योर कोष

3947. श्री बलभद्र माझीः
श्री प्रदीप पुरोहितः
श्रीमती कमलजीत सहरावतः
श्री लुम्बाराम चौधरीः
डॉ. मन्ना लाल रावतः
श्री दुलू महतोः
श्री पी. सी. मोहनः
श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाहः
श्री दिलीप शइकीयाः
श्री पी. पी. चौधरीः
श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटीः
डॉ. निशिकान्त दुबेः
श्री माधवनेनी रघुनंदन रावः
श्री जनार्दन मिश्राः
श्री हरीभाई पटेलः
श्री अनन्त नायकः
श्री भरतसिहंजी शंकरजी डाभीः
श्री खगेन मुर्मुः
श्रीमती कमलेश जांगड़ेः
श्री चन्द्र प्रकाश चौधरीः
श्री बिभु प्रसाद तराईः
श्री बिद्युत बरन महतोः
श्री मनीष जायसवालः
श्री दिनेशभाई मकवाणाः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 'एग्री-श्योर' कोष के अंतर्गत सृजित 'कॉर्पस' का ब्यौरा क्या है और इसमें सरकार, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और निजी संस्थानों के योगदान और देश में, विशेषकर ओडिशा के नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में इसके प्रभाव का ब्यौरा क्या है;

(ख) 'एग्री-श्योर' के अंतर्गत अब तक वित्तपोषित स्टार्ट-अप्स की संख्या कितनी है और देश में सहायताप्राप्त एग्री-टेक, खाद्य प्रसंस्करण और ग्रामीण उद्यमों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और क्षेत्र-वार, विशेषकर ओडिशा और नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र, कर्नाटक में बेंगलुरु, राजस्थान, झारखंड का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) 'नाबवेंचर्स' द्वारा इस कोष के अंतर्गत निवेश के कार्य-निष्पादन और जोखिम प्रबंधन की निगरानी किस प्रकार की जा रही है;

(घ) क्या यह निधि कृषि और ग्रामीण स्टार्ट-अप तंत्र में अतिरिक्त निजी पूंजी को आकर्षित करने में सफल रही है; और

(ङ) 'एग्री-श्योर' के अंतर्गत सहायताप्राप्त लाभार्थियों का ब्यौरा क्या है और देश में कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने में हुई प्रगति का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार, विशेषकर ओडिशा के नबरंगपुर और क्योंझर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों, कर्नाटक, राजस्थान के पाली लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और झारखंड का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री भागीरथ चौधरी)

(क): स्टार्टअप्स और ग्रामीण उद्यमों के लिए कृषि कोष (एग्रीश्योर) को सेबी-पंजीकृत श्रेणी-II वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के रूप में स्थापित किया गया है जिसके तहत लक्षित कोष 750 करोड़ रुपए है, जिसे 10 वर्ष की अवधि में जुटाया और तैनात किया जाएगा। कुल कोष में से 250 करोड़ रुपये का अंशदान भारत सरकार द्वारा किया जाता है, 250 करोड़ रुपये का अंशदान राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा किया जाता है, जबकि शेष 250 करोड़ रुपये निजी संस्थानों और अन्य निवेशकों से जुटाए जाते हैं।

इस फंड का उद्देश्य कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में अभिनव, प्रौद्योगिकी-संचालित, उच्च प्रभाव वाली और उच्च जोखिम वाली परियोजनाओं का समर्थन करना है, जिससे संपूर्ण देश में कृषि मूल्य श्रृंखला और ग्रामीण उद्यम इकोसिस्टम को मजबूत किया जा सके। एग्रीश्योर के तहत निवेश योग्यता और निवेश व्यवहार्यता के आधार पर किया जाता है, और कोई राज्य, जिला या निर्वाचन क्षेत्र-वार आवंटन निर्धारित नहीं किया जाता है।

(ख) और (ङ): एग्रीश्योर के अंतर्गत प्रत्यक्ष निवेश योजना के अंतर्गत 4 स्टार्टअप्स में और फंड ऑफ फंड (एफओएफ) योजना के अंतर्गत 8 वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) में भी निवेश को अनुमोदित किया गया है, जिन्होंने अब तक 5 स्टार्टअप्स में निवेश की सूचना दी है। एआईएफ की सूची एवं उनके पंजीकृत स्थान सहित अब तक समर्थित स्टार्टअप से संबंधित सूचना, **अनुबंध में दी गई है।**

(ग): नाबार्ड की उद्यम पूंजी शाखा नैबवेंचर्स एग्रीश्योर के निवेश प्रबंधक के रूप में कार्य करती है और सेबी (वैकल्पिक निवेश निधि) विनियम, 2012 के अनुसार भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के विनियामक ढांचे के अंतर्गत कार्य करती है। एनएबीवेंचर्स की निवेश टीम और एक स्वतंत्र निवेश समिति द्वारा कठिन परिश्रम किया जाता है; आवधिक प्रदर्शन समीक्षा; समर्थित स्टार्टअप्स के लिए क्षेत्र का दौरा; निवेशक बैठकों में भागीदारी; एआईएफ और निवेश करने वाली कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन की निरंतर निगरानी के माध्यम से निगरानी और जोखिम प्रबंधन किया जाता है।

इसके अलावा, निगरानी तंत्र में नाबार्ड के बोर्ड द्वारा आवधिक समीक्षा, भारत सरकार (डीए एंड एफडब्ल्यू) को प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना, नाबार्ड का वैधानिक ऑडिट, सेबी-पंजीकृत एआईएफ का स्वतंत्र ऑडिट और फंड के परिणामों और प्रभाव का आकलन करने के लिए स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा मध्यावधि तृतीय-पक्ष मूल्यांकन शामिल है।

(घ): इस निधि का उद्देश्य कृषि और ग्रामीण स्टार्टअप इकोसिस्टम में अतिरिक्त निजी पूंजी को उत्प्रेरित करना है। बाजार निवेशकों से एग्रीश्योर के तहत अब तक 95 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं। इसके अलावा, एफओएफ संरचना के तहत, भागीदार एआईएफ को एग्रीश्योर अंशदान के समतुल्य राशि का निवेश करने की आवश्यकता है, ताकि बाजार स्रोतों से कृषि और ग्रामीण स्टार्टअप में लगभग 150 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश संभव हो सके।

अनुबंध

एग्रीश्योर के अंतर्गत एफओएफ और प्रत्यक्ष योजना में एआईएफ और स्टार्टअप्स की सूची

क. प्रत्यक्ष योजना के अंतर्गत स्टार्टअप

क्र. सं.	कंपनी	पंजीकृत पता	संचालन क्षेत्र	कार्यकलाप क्षेत्र
1	फैम्बो इनोवेशन	नोएडा, उत्तर प्रदेश।	उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और पंजाब	**खाद्य प्रसंस्करण** फैम्बो किसानों और एफपीओ को 5,000 किसानों के माध्यम से खाद्य व्यवसायों से जोड़ता है, जो जीएपी-प्रमाणित उत्पाद, प्रसंस्करण, कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स और एआई-संचालित आपूर्ति अनुकूलन की पेशकश करता है।
2	किसानसे	गुड़गांव, हरियाणा	कश्मीर, केरल, महाराष्ट्र, एमपी, यूपी	**फार्म टू टेबल** स्टार्टअप 20+ एफपीओ से एकल-मूल उत्पादन प्राप्त करता है, जो ट्रेसेबिलिटी, सह-ब्रांडिंग, लाभ-साझाकरण, गुणवत्ता नियंत्रण और एफपीओ के स्वामित्व वाले प्रसंस्करण इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपयोग सुनिश्चित करता है।
3	ईएलएमईडी प्रोबायोटिक्स	हैदराबाद, तेलंगाना	तेलंगाना, आंध्र प्रदेश	**एग्री बायोटेक** यह स्टार्टअप पशुधन, एक्वाकल्चर और फसलों के लिए प्रोबायोटिक फॉर्मूलेशन विकसित करता है, जिससे गट-हेल्थ जल की गुणवत्ता, पोषक तत्वों की खपत और सतत कृषि उत्पादकता में सुधार होता है।
4	एक्वापल्स	भुवनेश्वर, ओडिशा	ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल	**एक्वाकल्चर** यह स्टार्टअप एक हाइब्रिड एग्रीटेक-समुद्री खाद्य निर्यात मॉडल का संचालन करता है, जो 5,000 किसानों के साथ प्रौद्योगिकी और कोल्ड चेन के माध्यम से फार्म-टू-बायर आपूर्ति श्रृंखला को नियंत्रित करता है।

ख. एफओएफ योजना में एआईएफ और स्टार्टअप का विवरण:

(I) एआईएफ का विवरण:

एआईएफ/फंड का नाम	पंजीकृत कार्यालय (जिला, राज्य)	संचालन क्षेत्र (राज्य)	कार्यकलाप क्षेत्र (कृषि विशिष्ट)
1. आशा वेंचर्स	मुंबई, महाराष्ट्र	अखिल भारत	एग्रीटेक और सतत कृषि में निवेश का प्रभाव (कृषि नवाचारों, किसान समावेशन, आपूर्ति श्रृंखलाओं पर डायरेक्ट फोकस)।
2. ओटीपी वेंचर्स (ओटीपी इंडिया)	नई दिल्ली, दिल्ली	अखिल भारत	उपभोक्ता ब्रांडों, फिनटेक और नवीकरणीय क्षेत्रों जिसमें सतत कृषि और प्राकृतिक संसाधन शामिल हैं में विकास इक्विटी निवेश - जो दक्षता, सततता और बाजार कनेक्टिविटी प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं।
3. अंकुर कैपिटल	मुंबई, महाराष्ट्र	अखिल भारत	खाद्य और कृषि में प्रारंभिक चरण की तकनीक (स्मार्ट खेती, फसल तकनीक, किसानों के लिए आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत पोर्टफोलियो)।
4. आईएएन अल्फा फंड	नई दिल्ली, दिल्ली	अखिल भारत	एक लक्षित क्षेत्र के रूप में कृषि सहित डीपटेक/प्रारंभिक चरण (एआई, बायोटेक, जलवायु)।
5. यूनिकॉर्न इंडिया वेंचर्स	मुंबई, महाराष्ट्र	अखिल भारत	प्रारंभिक चरण की तकनीक/उपभोक्ता; एग्रीटेक/पशुधन तकनीक में निवेश करता है, उदाहरण के लिए, बोवाइन/कृषि प्रबंधन के लिए एआई।
6. ग्रीनस्टोन कैपिटल	मुंबई, महाराष्ट्र	अखिल भारत	जलवायु/सतत निवेश; इसमें सतत कृषि और सर्कुलर कृषि पद्धतियाँ शामिल हैं।
7. रुकम कैपिटल	नई दिल्ली, दिल्ली	अखिल भारत	प्रारंभिक चरण के उपभोक्ता ब्रांड (खाद्य और पेय पदार्थ, वेलनेस), खाद्य उत्पाद/आपूर्ति श्रृंखला।
8. थिया वेंचर्स	बेंगलुरु, कर्नाटक	अखिल भारत	जलवायु तकनीक/डीकार्बोनाइजेशन, सतत एग्रीटेक, खाद्य प्रणाली, जलवायु संदर्भ में सर्कुलर कृषि।

(II) स्टार्टअप्स का विवरण:

क्र. सं.	कंपनी	पंजीकृत कार्यालय	संचालन का क्षेत्र	गतिविधि का क्षेत्र
1	सास्वत फाइनेंशियल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	मुंबई, महाराष्ट्र	महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश	**कृषि-फिनटेक** 2021 में स्थापित सास्वत फाइनेंस, ग्रामीण किसानों को कैटल ऋण, बीमा, पशु चिकित्सा सहायता और सलाहकार सेवाओं सहित फिनटेक समाधान प्रदान करता है।
2	अक्षयकल्प फार्म्स एंड फूड्स प्राइवेट लिमिटेड	तुमकुरु, कर्नाटक	कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना	**एग्री डी2सी** किसान-उद्यमिता मॉडल ग्राहकों को सीधे ताजा ऑर्गेनिक दूध और मूल्य वर्धित उत्पाद उपलब्ध कराता है।
3	वैल्यू इंग्रीडिएंट्स प्राइवेट लिमिटेड	चेन्नई, तमिलनाडु	तमिलनाडु	**मसाले प्रसंस्करण** मूल्य सामग्री अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए उच्च ग्रेड, सतत, ट्रेसेबल मसालों को प्रोसेस और आपूर्ति करता है।
4	वर्डन्ट प्रभाव	जयपुर, राजस्थान	राजस्थान, मध्य प्रदेश	**पशुधन प्रबंधन** वर्डेंट बोवाइन जेनेटिक बाजार, टेलीमेडिसिन, आईओटी निगरानी, वित्तपोषण और बीमा को एकीकृत करता है ताकि ट्रेसेबिलिटी में में सुधार हो सके और कैटल बाजारों में जोखिम को कम किया जा सके।
5	क्रॉपकॉइन (पेहलेजैसा)	गुरुग्राम, हरियाणा	बिहार, झारखंड	**वेस्ट टू वेल्थ** क्रॉपकॉइन माइक्रोबियल कल्चर का उपयोग करके फार्मों में पोल्ट्री लिटर को बायो-डीएपी में परिवर्तित करता है, जिससे साझेदार माइक्रो-फैक्ट्रियों के माध्यम से विकेंद्रीकृत जैविक खाद उत्पादन संभव होता है।

******